भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
05.02.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 589 का उत्तर

समस्तीपुर-दरभंगा रेलवे पटरी के दोहरीकरण संबंधी परियोजना

589. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि समस्तीपुर से दरभंगा तक की रेल की पटरी के दोहरीकरण का काम कई वर्षों से चल रहा है;
(ख) क्या यह भी सच है कि दोहरीकरण का काम बहुत ही धीमी गति से चल रहा है;
(ग) क्या सरकार द्वारा तय की गई समय-सीमा के अंतर्गत इस कार्य को पूरा किया जा सकता है; और
(घ) यदि नहीं, तो इस परियोजना की प्रारंभिक समय सीमा का ब्यौरा क्या है और इसके कब तक पूरे होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): समस्तीपुर-दरभंगा (38 किमी) दोहरीकरण परियोजना वर्ष 2015-16 में स्वीकृत किया गया था। परियोजना की नवीनतम प्रत्याशित लागत 519 करोड़ रु. है। अभी तक, दरभंगा-तलवाड़ा (9 किमी) और समस्तीपुर-किशनपुर (10 किमी) खंड का कार्य पूरा हो गया है और यातायात कि लिए खोल दिया गया है। परियोजना के शेष खंउ में निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

किशनपुर-तलवाड़ा (19 किमी) खंड के बीच दोहरीकरण में खंड के 13 किमी लंबाई के डाईवर्जन पर 5 प्रमुख पुलों का पुनर्निमार्ण शामिल है।

किसी भी परियोजना का समय से पूरा होना राज्य सरकारों द्वारा बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थितियों के कारण परियोजना विशेष के स्थल पर वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना निष्पादन के समय और लागत को प्रभावित करते हैं। इसलिए, परियोजना के पूरा होने के निर्धारित समय को इस चरण में इंगित नहीं किया जा सकता।

*****

Sk